बिजनेस वालों के लिए सकाश

अपने मस्तक में अपने स्वरूप को..... बड़ी एकाग्रता से देखें.....और अपने स्वधर्म को याद करें.....एक–एक गुण को रियलाइज करें.....और अब अपने शरीर से बाहर निकलें..... और सामने देखें अपने फरिश्ते स्वरूप को..... उसमें प्रवेश करें और चलें..... संसार का चक्कर लगाने .....और ढूढ़े उन्हें जो देने के पीछे .....लेने के धन्धे में व्यस्त हैं.....और कुछ लोग तो ऐसे भी दिख रहे हैं..... जो कर्तव्य को धन्धे में बदल रहे हैं.....और अब एक –एक धन्धे को..... बड़ी एकाग्रता से देखें.....दूध वाले को देखें..... .....क्या कर रहा है.....सब्जी वाले को देखें.....अनाज वालों को देखें.....कपड़े वाला ,दवाखाने, होटल वालों को देखें.....एक –एक धन्धे को देखें.....क्या–क्या कर रहे हैं.....ये मिलावट क्यों कर रहे हैं.....इनको सब पता है कि ये सब चीजें..... हमारे शरीर के लिए..... बड़ी नुकसान करने वाली हैं.....ये पता है, ये चोरी है.....ये पाप है.....फिर भी पानी को..... पेन्ट को दूध बना के .....हमारी आँखों को धोखा..... एवं शरीर को बीमारी दे रहे हैं.....फलों में इंजेक्शन .....सब्जियों पर रंग.....ईट को लाल मिर्च में.....एक–एक में मिलावट , धोखा.....अब एक खाली मैदान में चलें ..... और एक स्थान पर..... बैठ कर शान्ति से सोचें..... कि इन कर्मों के पीछे क्या कारण है.....इसके पीछे स्वार्थ..... लालसा..... इच्छायें.....और इनका सबका बीज है लोभ..... .....और दूसरा इसके पीछे कारण.....अभिमान भी हो सकता है.....कि मैं सबसे बड़ा बनूँ..... ...अब उन सबका आह्वान करें.....अब एक–एक को आत्मा देखें .....और बात करें.....कि मेरे भाई आप लोगों ने .....समाज को हर चीज सहज उपलब्ध कराई.....सबके जीवन को आसान कर रहे हो.....पर आपको खुद पता है कि .....आप जो कर रहे हैं.....क्या उससे हमें धन के साथ.....सुख भी मिल रहा है.....शान्ति भी मिल रही है.....धन के साथ–साथ चिन्ता भी आ रही है.....भय भी आ रहा है.....मेरे भाइयों..... आप जो भी करेंगे.....वह आपको भी पता है और.....जिसे आपके कर्मों का भाग्य देना है.....उसे भी कभी ठगा नहीं जा सकता..... अपनी आँख पर पट्टी बाँधकर..... ये समझ रहे हैं कि..... हमें कोई नहीं देख रहा..... जबकि यही बात सामने वाला भी मानकर..... हर काम किये जा रहा है.....व्यापार करो सदाचार के साथ.....मेरे भाई हमें एक

ऐसे फायदे का धन्धा पता है.....जिसे एक बार करने से .....इतना मुनाफा होगा..... जो 21 जन्मों तक कुछ भी .....करने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी.....और वह भी इतना सस्ता.....कि कोई भी कर सकता है.....हाँ भाईयों आप चाहें तो एक बार करके देख लो.....आपका ये धन्धा भी अच्छा हो जायेगा.....अभी ब्रह्माण्ड का सबसे बड़ा व्यापारी.....बहुत बड़ा व्यापार करने आया है.....इस दुनिया का मालिक.....यहीं पर एक नई दुनिया बनाने आया है.....एक एक्सचेंज ऑफर भी लेकर आया है..... पुराना बेकार देकर नया ले लो.....सीमित ऑफर सीमित समय है.....जल्दी करें मौका जाने न दें.....और इसके बाद .....एक व्यापार और भी आप कर सकते हैं..... आपस में ज्ञान और गुणों का भी..... ये बिजनेस कर सकते हैं.....अब अपने सारे गुणों को..... अपने चारों ओर फैलायें.....अब याद करें उस बड़े से बड़े बिजनेस मैन को.....और महसूस करें कि.....वह अपार सम्पत्ति..... गुण और शक्तियों के साथ ... .ऊपर से नीचे आकर..... सबमें भर रहा है.....और सभी को बड़े प्यार से देखते हुए.....उनके पास जायें और आत्मा देखते हुए.....सबके सिर हाथ रखें और..... ....पवित्रता और सत्य का गुण ट्रान्सफर करें.....और अब सभी के चेहरे पर .....

सन्तुष्टता का भाव देखकर वापस आयें.....और अपने शरीर में प्रवेश करें.....और अपने आप को देखें..... कि जो धन्धा बाबा से मैं करता हूँ.....उसमें मैं कितना ईमानदार हूँ.....मैं एकदम खरा सौदा करता हूँ ?.....कि थोड़ा–थोड़ा संस्कारों की मिलावट भी कर देता हूँ.....बड़ी बारीकी से अपने हर कर्म को देखें.....बाबा का लेबल लगाकर .....कहीं सामान माया का तो..... नहीं सप्लाई कर रहा हूँ.....अब आने आपसे संकल्प करें.....कि मैं कर्म नहीं कर रहा..... मैं तो अपना भाग्य बना रहा हूँ... .....इसलिए मेरा हर कर्म पारदर्शी होगा.....ओम शान्ति